दैनिक भास्कर

DB@ MITESH RATHI CLASSES

छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाते हुए करवाते हैं परीक्षाओं की तैयारी

16 वर्षों से आईआईटी जेईई में सर्वाधिक छात्रों के चयन के साथ सफलता का पर्याय है मितेश राठी क्लासेस

श्री मितेश राठी
डायरेक्टर, मितेश राठी क्लासेस

शहर में एमपी नगर जोन-2, स्थित आईआईटी जेईई मेंस, एडवांस और सभी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाला विश्वसनीय संस्थान है मितेश राठी क्लासेस। जो डायरेक्टर मितेश राठी के कुशल नेतृत्व में सफलता के नए आयाम गढ़ रहा है। श्री राठी का मानना है कि इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम, आयु, अवसर और परीक्षा का ढांचा कुछ ऐसा है कि छात्रों के सामने कम अवधि में कामयाब होने की कोशिश एक बाध्यता होती है। इसलिए अनुभवी शिक्षकों से सही दिशा में मार्गदर्शन जरूरी बन जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2002 में मितेश राठी क्लासेस की स्थापना की गई। संस्थान की कार्यपद्धति छात्रों को सही कॉन्सेप्ट, प्रतिस्पर्धी माहौल के साथ अभिप्रेरित करने पर आधारित है। संस्थान में टेस्ट सीरीज और विषयवस्तु का सही मिश्रण छात्रों को शिक्षा से जोड़े रखता है। इसी के चलते मितेश राठी क्लासेस के छात्र लगातार आईआईटी जेईई मेंस/एडवांस्ड, केवीपीवाई, एनटीएसई, ओलंपियाड्स, बोर्ड और स्कूल एग्जाम्स में शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं।

आईआईटी जेईई- एक कठिन चुनौती

विश्व की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक परीक्षा मानी जाती है, आईआईटी-जेईई की परीक्षा। इंजीनियरिंग परीक्षाओं की तैयारी करने वाला हर विद्यार्थी खुद को एक आईआईटीयन के रूप में ही देखना चाहता है। हर साल करीब दो लाख छात्र इस परीक्षा में भाग लेते हैं, जिनमें से केवल 10,000 छात्र ही अपने इस सपने को सच कर पाते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि दो लाख छात्रों में से मात्र दस हजार छात्र ही अपने इस सपने को सच क्यों कर पाते हैं? इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के लिए छात्र सारे प्रयत्न करते हैं परंतु सफलता उन्हें ही मिलती है, जिनकी रणनीति सटीक होती है।

सामान्यतः छात्र इस दुविधा में फंसा होता है कि वह इस परीक्षा की तैयारी कब से शुरू करे? हर छात्र के पास तीन विकल्प होते हैं-

- बारहवीं के बाद ड्रॉप लेकर तैयारी का प्रारंभ।
- ग्यारहवीं के दौरान पढ़ते हुए तैयारी का प्रारंभ।
- बारहवीं में पढ़ते हुए तैयारी का प्रारंभ

वर्तमान में आईआईटी-जेईई के आधुनिक पैटर्न के अनुसार छात्रों के लिए परीक्षा देने के केवल दो अवसर ही हैं। पहला जब वह बारहवीं की पढ़ाई कर रहा हो और दूसरा जब वह बारहवीं की परीक्षा पास कर चुका हो। ऐसी स्थिति में इस परीक्षा की तैयारी शुरू करने का बेहतर समय है दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना। दसवीं पास करने के बाद जहां छात्र पूरी तरह से तरोताजा होता है, वहीं उसमें इस चुनौती के लिए पर्याप्त जोश होता है। यदि किसी छात्र के बेसिक कंसेप्ट क्लियर हैं तो उसे कभी किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बस आवश्यकता है तो सही रणनीति व कुछ छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने की, जिससे पहली बार में ही इस परीक्षा में सफलता पाई जा सके। इसलिए इस परीक्षा के लिए पहले ही एक मजबूत रणनीति बना लीजिए और कुछ बातों पर ध्यान दीजिए,आत्मविश्वास- शुरुआत हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण व आत्मविश्वास के साथ होनी चाहिए। परीक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की दुविधा न रखें।

शीघ्र तैयारी प्रारंभ करें

इस परीक्षा की प्रारंभिक तैयारी कक्षा ग्यारह से ही प्रारंभ कर देनी चाहिए। टॉप 100 में से अधिकतर छात्र ऐसे ही होते हैं, जो अपनी तैयारी कक्षा ग्यारह से ही प्रारंभ कर देते हैं।

पढ़ाई का टाइमटेबल बनाएं

किसी भी परीक्षा की तैयारी शुरू करने से पहले अपनी प्लानिंग पुख्ता रखिए। टाइमटेबल तैयार कीजिए और इस पर अमल करना शुरू करें।

सही मार्गदर्शक

परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग का चयन करते वक्त पहले पूरी जानकारी एकत्रित कर लें, इसके बाद ही चयन करें।

केंद्रित रहें

एक साथ कई टॉपिक्स या किताबों की बजाय अपने टीचर्स से सलाह लेकर किसी एक टॉपिक से ही तैयारी प्रारंभ कीजिए, जिससे आप भ्रमित न हों।

अपनी कमजोरी पहचानें

उन विषयों व टॉपिक्स को अलग करें जिन्हें समझने में आपको मुश्किल होती है। उस पर अधिक समय दें व अपनी कमजोरी को समाप्त कर डालें।

क्वांटिटी पर नहीं क्वालिटी पर ध्यान दें

आप कितने सवाल हल कर रहे हैं। इससे अधिक आवश्यक है कि आप कैसे सवाल हल कर रहे हैं। इसलिए ऐसे सवालों का अधिक प्रयास करें जिन्हें हल करने में आपको दिक्कत हो सकती है।

मीत ताराविया
आईआईटी जेईई, एआईआर-44,
आईआईटी बॉम्बे

मितेश राठी क्लासेस में फैकल्टीज आईआईटी की तैयारी में छात्रों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को उभारती है। मुझे लगता है, ये जेईई तैयारी की सर्वश्रेष्ठ संस्था है।

मैं मितेश राठी क्लासेस को जेईई में मेरी तैयारी के लिए धन्यवाद देता हूं। संस्था में उपलब्ध कराया गया स्टडी मटेरियल परीक्षा की तैयारी में बेहद उपयोगी साबित हुआ। यहां की पूरी फैकल्टी टीम अनुभवी और सहयोगी है, जो छात्रों के मार्गदर्शन के लिए हमेशा उपलब्ध रहती है। मैं अपनी सफलता का श्रेय विशेष तौर पर मितेश राठी सर के मार्गदर्शन और प्रयासों को देना चाहता हूं।

हर्षित शर्मा
आईआईटी जेईई,
एआईआर-125, आईआईटी बॉम्बे

संस्था से तैयारी की सबसे अच्छी बात है, पाठ्यक्रम का समय से पूरा होना और सभी विषयों का सही रीविजन। इससे छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ता है।

मैं आईआईटी जेईई में अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, ईश्वर और मितेश राठी सर और संस्था की फैकल्टीज को देना चाहूंगा। संस्था में जेईई मेंस/एडवांस्ड, केवीपीवाई, एनटीएसई, ओलंपियाड्स, बोर्ड और स्कूल एग्जाम्स जैसी परीक्षाओं की तैयारी का सही माहौल है, जो छात्रों की सफलता को सुनिश्चित करता है।

अंजली जैन
सिटी टॉपर-10वीं कक्षा

10वीं बोर्ड (सीबीएसई) में शहर की सेकेंड टॉपर अंजली जैन कहती हैं कि मैं 10वीं में आईआईटी जेईई की तैयारी मितेश राठी क्लासेस से कर रही हूं। जिस दिन से मैंने संस्थान में प्रवेश लिया है, मुझे विषयों को समझने का नया आयाम मिला है। यहां के शिक्षक मेरी विषयों से जुड़ी समस्याओं का समाधान करते है। राठी सर के निर्देशानुसार अनुशासन में पढ़ाई करना इसी संस्थान से सीखा है।

आरोही जैन
सिटी टॉपर-10वीं कक्षा

सीबीएसई बोर्ड 10वीं कक्षा की परीक्षा में भोपाल शहर में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली आरोही जैन कहती हैं कि मैं कक्षा 10वीं में पढ़ती हूं और मितेश राठी क्लासेस से आईआईटी जेईई की तैयारी कर रही हूं। मैं राठी सर के मार्गदर्शन में आईआईटी जेईई में भी अपनी सफलता के लिए आश्वस्त हूं।

विशेषताएं..

1. अनुभवी और सर्वश्रेष्ठ फैकल्टी टीम, जो आपकी सफलता के लिए लगनशील हैं।
2. नॉलेज और कॉन्सेप्ट डेवलपमेंट के लिए व्यवस्थित और व्यापक स्टडी मटेरियल।
3. असाइनमेंट / परीक्षण या क्विज को पूरा करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए स्टडी सेशंस।
4. छात्रों के प्रदर्शन और दक्षता में सुधार करने के लिए नियमित डाउट क्लियरिंग सेशन।
5. जेईई मेन, जेईई एडवांस, स्कूल और बोर्ड परीक्षा के लिए अलग-अलग सभी विषयों को कवर करने वाले प्रत्येक विषय के लिए कठिन टेस्ट सीरिज।
6. उत्कृष्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, वातानुकूलित क्लास रूम्स और सुसज्जित लाइब्रेरी।
7. ऑनलाइन परीक्षा के लिए कम्प्यूटर लैब।
8. स्कूल इंटीग्रेटेड प्रोग्राम भी उपलब्ध है।
9. सुनियोजित ढंग से परीक्षाओं की तैयारी।
10. रीविजन क्लासेस, सेल्फ स्टडी आदि की सुविधा।

जेईई मेन 2019 एग्जाम का पहला चरण 6 जनवरी से 20 जनवरी 2019 के बीच होगा। इंजीनियर बनने के लिए जेईई मेन उम्मीदवारों के लिए सबसे अहम एग्जाम होता है। आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटी का हिस्सा बनने के लिए छात्रों को जेईई मेन एग्जाम में अच्छी रैंक लानी होती है। ऐसे में बेहतर प्रदर्शन के लिए स्पीड और सटीकता के साथ नॉलेज होना बहुत जरूरी है। स्पीड इसलिए जरूरी है क्योंकि अगर वक्त का सही इस्तेमाल नहीं किया गया, तो उम्मीदवार जेईई एग्जाम में अच्छे मार्क्स हासिल नहीं कर पाएगा। जेईई एग्जाम 3 घंटे का होता है, जिसमें तीन सेक्शंस होते हैं। उम्मीदवार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह हर सेक्शन को पूरा वक्त दे और सभी में अच्छे मार्क्स लेकर आए, ताकि उसकी रैंक अच्छी बने। हर सवाल पर 1.5 मिनट लगाएं और सभी आसान सवालों को पहले हल करने की कोशिश करें। अगर इससे ज्यादा वक्त लगता है तो उसे वहीं छोड़ दें। आसान सेक्शन को पूरा समय के 1.5 घंटे से पहले ही हल करने की कोशिश करें। ऐसा इसलिए क्योंकि जेईई मेन एग्जाम में अच्छा स्कोर हासिल करने के लिए ज्यादा सवालों के जवाब देने जरूरी हैं। अब, उन सवालों को देखें जिन्हें आपने पहली बार में छोड़ दिया था। ऐसे सवालों को अच्छी तरह पढ़ें और मुश्किल सवालों को 4 मिनट में सॉल्व करने की कोशिश करें। जेईई परीक्षा में सबसे पहले कैमिस्ट्री, फिर मैथ्स और अंत में फिजिक्स अटेंप्ट करें।

जूनियर विंग

जीवन में सफलता का आधार एक मजबूत नींव होती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मितेश राठी क्लासेस ने अपनी जूनियर विंग की आधारशिला रखी, जिसमें कक्षा 6वीं से 10वीं तक के छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान की जाती है। इसमें बच्चों को अंग्रेजी, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों को विस्तार में पढ़ाकर उनकी एनॉलिटिकल और लॉजिकल रीजनिंग की क्षमता का विकास किया जाता है, जिससे मितेश राठी क्लासेस के छात्र विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं जैसे ओलंपियाड, एनटीएसई, केवीपीवाई, स्कूल तथा बोर्ड परीक्षा में सफलता दर्ज करने में कामयाब रहे हैं।

मितेश राठी क्लासेस ने आईआईटी परीक्षा में समय के साथ होने वाले परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए जेईई एडवांस्ड के लिए कम्प्यूटर लैब और ऑनलाइन टेस्ट सीरीज की शुरूआत की है। 2019 से जेईई मेंस और एडवांस्ड की परीक्षा ऑनलाइन मोड में होगी, जिसके लिए संस्था के छात्र अपनी प्रैक्टिस कम्प्यूटर लैब में होने वाली टेस्ट सीरीज द्वारा कर रहे हैं। ऑनलाइन टेस्ट सीरीज से आईआईटी की तैयारी में जुटे देशभर के छात्र मितेश राठी क्लासेस से जुड़ते हैं, जिससे उन्हें अपनी ओवर ऑल रैंक और तैयारी के बारे में जानने का मौका मिलता है।

छात्रों के लिए उपलब्ध हैं, सर्वश्रेष्ठ कोर्स

आरंभ	विकास	आधार	दिशा	प्रयास	लक्ष्य	शिखर	अनुभव	स्कूल इंटीग्रेटेड प्रोग्राम
कक्षा 6वीं	कक्षा 7वीं	कक्षा 8वीं	कक्षा 9वीं	कक्षा 10वीं	कक्षा 11वीं	कक्षा 12वीं	कक्षा 12वीं पास	